पाठ का परिचय

अंग्रेज़ हमारे देश में व्यापारी बनकर आए थे, लेकिन उनकी नीयत हमारे देश पर अधिकार जमा लेने की थी। उनकी यह नीयत उजागर होते ही उन्हें देश से भगाने का प्रयास भी शुरू हो गया। प्रस्तुत पाठ में एक ऐसे ही जाँबाज़ के कारनामों का वर्णन है। जिसका एकमात्र लक्ष्य अंग्रेज़ों को भारत से भगाना था। उस वीर का नाम था– वज़ीर अली। अंग्रेज़ों की नींद हराम कर देने वाला यह जाँबाज़ इतना निडर था कि दो-दो हाथ करने की इच्छा से कंपनी की बटालियन के खेमे में ही नहीं पहुँचा, बल्कि उनके कर्नल पर ऐसा रौब डाला कि उसके मुँह से उसके लिए वे शब्द निकले, जो किसी शत्रु या अपराधी के लिए नहीं बोले जा सकते।

पात्र का परिचय

1. **कर्नल**– • अंग्रेज़ी सेना का कर्नल • नाम–कालिज • वज़ीर अली को गिरफ़्तार करने का इच्छुक • वज़ीर अली की बहादुरी से प्रभावित।
2. **लेफ़्टीनेंट**– • अंग्रेज़ी बटालियन का लेफ़्टीनेंट • वज़ीर अली के कारनामों से अचंभित • वज़ीर अली के विषय में जिज्ञासु।
3. **सवार**– • वज़ीर अली • निडर साहसी, वीर सिपाही • अंग्रेज़ों को भारत से भगाने के लिए प्रयासरत • कर्नल को मूर्ख बनाकर कारतूस ले जाने वाला • कंपनी के वकील की हत्या करने वाला • अंग्रेज़ों की नज़रों में अपराधी।
4. **गौरा**– • अंग्रेज़ सिपाही।

पाठ का सारांश

कर्नल कालिंज द्वारा वज़ीर अली को पकड़ने का प्रयास– कर्नल कालिंज, एक लेफ़्टीनेंट और बहुत-से अंग्रेज़ सिपाही वज़ीर अली को पकड़ने के लिए गोरखपुर के जंगल में खेमा डाले हुए हैं। हफ़्तों हो गए हैं, लेकिन वज़ीर अली का कहीं कोई पता नहीं है। सिपाही जंगल की ज़िंदगी से तंग आ गए हैं। लेफ़्टीनेंट को वज़ीर अली भूत जैसा लगता है तो कर्नल को उसके अफ़साने सुनकर रॉबिनहुड की याद आ जाती है। कर्नल लेफ़्टीनेंट को बताता है कि वज़ीर अली ने अपने पाँच महीने के शासनकाल में ही अवध के दरबार को अंग्रेज़ों के प्रभाव से लगभग मुक्त कर दिया था।

वज़ीर अली की अंग्रेज़ों से दुश्मनी का कारण–सआदत अली अवध के नवाब आसिफ़उद्दौला का भाई था। वह ऐशपसंद, महत्त्वाकांक्षी और अंग्रेज़ों का मित्र था। आसिफ़उद्दौला का कोई पुत्र नहीं हुआ था। इसलिए सआदत अली स्वयं को अवध का वारिस मानता था। लेकिन बाद में आसिफ़उद्दौला का पुत्र वज़ीर अली उत्पन्न हुआ। इससे सआदत अली की आशाओं पर पानी फिर गया और वह वज़ीर अली को अपना दुश्मन समझने लगा। जब वज़ीर अली अवध की गद्दी पर बैठा तो सआदत ने अंग्रेज़ों के साथ मिलकर षड्यंत्र किया और उसे गद्दी से हटवाकर स्वयं नवाब बन गया। इसके बदले में उसने अंग्रेज़ों को अपनी आधी जायदाद और 10 लाख रुपये दिए। इस घटना से वज़ीर अली अंग्रेज़ों का जानी दुश्मन बन गया।

वज़ीर अली द्वारा कंपनी के वकील का कत्ल– अंग्रेज़ों ने वज़ीर अली को अवध की गद्दी से हटाकर बनारस भेज दिया और उसके लिए तीन लाख रुपया सालाना वजीफ़ा तय कर दिया। एक बार गवर्नर ने उसे कलकत्ता बुलाया। वज़ीर अली ने इस बात की शिकायत कंपनी के वकील से की, जो बनारस में ही रहता था। वकील ने उसकी सहायता करने के बजाय उसे बुरा-भला कहा। इस बात से वज़ीर अली को गुस्सा आ गया और उसने अपने खंजर से वकील का काम तमाम कर दिया।

वज़ीर अली का अंग्रेज़ों को हिंदुस्तान से भगाने का प्रयास– वकील की हत्या करने के बाद वज़ीर अली अपने जानिसारों के साथ आज़मगढ़ की ओर भाग गया और वहाँ से आज़मगढ़ के शासक ने उसे सुरक्षित घागरा तक पहुँचा दिया। वहाँ जंगलों में रहकर उसने अंग्रेज़ों को भगाने और अवध पर कब्ज़ा करने की योजना बनाई। उसने अफ़गानिस्तान के बादशाह को हिंदुस्तान पर हमला करने की दावत दी, ताकि अंग्रेज़ों की ताकत कमज़ोर हो जाए। उसने नेपाल जाकर अपनी ताकत बढ़ाने की योजना भी बनाई। अंग्रेज़ उसे पकड़ने के लिए बरसों जंगलों में डेरा डाले रहे, लेकिन वह उनकी आँखों में धूल झोंकता रहा।

वज़ीर अली का सवार के रूप में अंग्रेज़ी खेमे में प्रवेश– एक दिन एक सवार अंग्रेज़ों के खेमे में निडरतापूर्वक प्रविष्ट हुआ। उसने कर्नल कालिंज से एकांत में मिलने की इच्छा की। कर्नल ने सोचा कि वह उसे वज़ीर अली के बारे में कोई सूचना देना चाहता है। वह एकांत में सवार से मिला। सवार ने उससे पूछा कि आप इतने लाव-लश्कर के साथ यहाँ क्यों पड़े हैं? कर्नल ने बताया कि उन्हें वज़ीर अली को पकड़ना है, लेकिन सुना है वह एक जाँबाज़ सिपाही है, इसलिए अभी तक हमारी पकड़ में नहीं आया है। सवार ने कर्नल से वज़ीर अली को पकड़ने के लिए दस कारतूस माँगे। कर्नल ने कारतूस दे दिए और सवार का नाम पूछा। सवार ने कहा कि उसका नाम वज़ीर अली है और वह उसकी जान इसलिए बख्श रहा है कि उसने उसे कारतूस दिए हैं। ऐसा कहकर वह चला गया। कर्नल उसकी बहादुरी, साहस और जाँबाज़ी देखकर हक्का-बक्का रह गया।

शब्दार्थ

खेमा = डेरा या तंबू। **छिटकी** = फैली हुई। **हुकूमत** = शासन। **पाक** = साफ़/पवित्र। **तक़रीबन** = लगभग। **अफ़साने** = कहानियाँ। **उम्मीद** = आशा/भरोसा। **पैदाइश** = जन्म। **तख्त** = राजसिंहासन। **मसलेहत** = रहस्य। **ऐश पसंद** = भोग-विलास को पसंद करने वाला। **बरस** = साल। **आँखों में धूल झोंकना** = धोखा देना। **जाँबाज़** = जान की बाज़ी लगाने वाला। **मुट्ठी भर** = बहुत कम। **दमखम** = शक्ति और दृढ़ता। **वज़ीफ़ा** = परवरिश के लिए दी जाने वाली राशि। **मुकर्रर** = निश्चित। **तलब** = खोज/तलाश। **हुकमरां** = शासक। **हिफ़ाज़त** = देख-रेख। **कारवाँ** = पैदल चलने वाले यात्रियों का समूह/काफ़िला। **स्कीम** = योजना। **गर्द** = धूल। **मसरूफ़** = संलग्न/काम में लगा हुआ। **काफ़िला** = एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में जाने वाले यात्रियों का समूह। **सरपट** = तेज़ दौड़ते हुए। **शुब्हे** = संदेह/शक। **गुंजाइश** = संभावना। **तन्हाई** = एकांत। **राज़ेदिल** = जो भी दिल में हो। **दीवार हमगोश दारद** = दीवारों के भी कान होते हैं। **वक्फ़े** = समय। **मुकाम** = जगह/स्थान। **लावलश्कर** = सेना और उसके साथ रहने वाली तमाम सामग्री/संगी-साथी।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

चंद = थोड़े। **कारतूस** = पीतल और दफ़्ती आदि की एक नली जिसमें गोली तथा बारूद भरी रहती है। **शुक्रिया** = धन्यवाद। **हक्का-बक्का** = घबराया सा।

भाग-1

बहुविकल्पीय प्रश्न

गद्यांशों पर आधारित प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए*–

(1) उसके अफ़साने सुन के रॉबिनहुड के कारनामे याद आ जाते हैं। अंग्रेज़ों के खिलाफ़ उसके दिल में किस कदर नफ़रत है। कोई पाँच महीने हुकूमत की होगी। मगर इस पाँच महीने में वो अवध के दरबार को अंग्रेज़ी असर से बिलकुल पाक कर देने में तकरीबन कामयाब हो गया था।

1. **गद्यांश का वक्ता कौन है–**
(क) लेफ़्टीनेंट (ख) कर्नल कालिंज
(ग) वज़ीर अली (घ) सआदत अली।

2. **किसके अफ़साने सुनकर रॉबिनहुड के कारनामे याद आ जाते हैं–**
(क) सआदत अली के (ख) शमसुद्दौला के
(ग) वज़ीर अली के (घ) शाहे-ज़मा के।

3. **निम्नलिखित कथन-कारण को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए–**
कथन (A)–वज़ीर अली के दिल में अंग्रेज़ों के प्रति बहुत नफ़रत थी।
कारण (R)–उसने पाँच महीने में अवध के दरबार को अंग्रेज़ी प्रभाव से मुक्त कर दिया।
(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ख) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(ग) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

4. **वज़ीर अली ने कितने दिन हुकूमत की–**
(क) पाँच साल (ख) पाँच महीने
(ग) एक साल (घ) दो साल।

5. **अपने शासनकाल में वज़ीर अली ने क्या प्रयास किया–**
(क) अवध के दरबार को सजाने का
(ख) शत्रुओं को देश से बाहर भगाने का
(ग) अवध के दरबार को अंग्रेज़ी प्रभाव से मुक्त करने का
(घ) अपने राज्य को समृद्ध बनाने का।

उत्तर– **1.** (ख) **2.** (ग) **3.** (घ) **4.** (ख) **5.** (ग)।

(2) मगर सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाने में क्या मसलेहत थी? सआदत अली हमारा दोस्त है और बहुत ऐश पसंद आदमी है इसलिए हमें अपनी आधी मुमलिकत (जायदाद, दौलत) दे दी और दस लाख रुपये नक्द। अब वो भी मज़े करता है और हम भी।

1. **गद्यांश के लेखक का नाम है–**
(क) प्रेमचंद (ख) लीलाधर मंडलोई
(ग) हबीब तनवीर (घ) प्रह्लाद अग्रवाल।

2. **अंग्रेज़ों ने अवध के तख्त पर किसे बैठाया–**
(क) सआदत अली को (ख) वज़ीर अली
(ग) शाहे-ज़मा को (घ) मीर जाफ़र को।

3. **सआदत अली किसका दोस्त था–**
(क) वज़ीर अली का (ख) शमसुद्दौला का
(ग) अंग्रेज़ों का (घ) शाहे-ज़मा का।

4. **सआदत अली कैसा आदमी था–**
(क) सादगी पसंद (ख) ऐश पसंद
(ग) देशभक्त (घ) बहादुर।

5. **सआदत अली ने अपनी आधी जायदाद और दस लाख रुपये अंग्रेज़ों को क्यों दिए–**
(क) उसके ऊपर अंग्रेज़ों का कर्ज़ था
(ख) वह पूरी जायदाद को सँभाल नहीं सकता था
(ग) अंग्रेज़ों ने उसे अवध के तख्त पर बैठाया था
(घ) वह अंग्रेज़ों से पीछा छुड़ाना चाहता था।

उत्तर– **1.** (ग) **2.** (क) **3.** (ग) **4.** (ख) **5.** (ग)।

(3) किस्सा क्या हुआ था उसको उसके पद से हटाने के बाद हमने वज़ीर अली को बनारस पहुँचा दिया और तीन लाख रुपया सालाना वज़ीफ़ा मुकर्रर कर दिया। कुछ महीने बाद गवर्नर जनरल ने उसे कलकत्ता (कोलकाता) तलब किया। वज़ीर अली कंपनी के वकील के पास गया जो बनारस में रहता था और उससे शिकायत की कि गवर्नर जनरल उसे कलकत्ता में क्यूँ तलब करता है। वकील ने शिकायत की परवाह नहीं की उलटा उसे बुरा-भला सुना दिया। वज़ीर अली के तो दिल में यूँ भी अंग्रेज़ों के खिलाफ़ नफ़रत कूट-कूटकर भरी है उसने खंजर से वकील का काम तमाम कर दिया।

1. **अंग्रेज़ों ने वज़ीर अली को किस पद से हटा दिया–**
(क) सूबेदार के पद से (ख) नवाब के पद से
(ग) मंत्री के पद से (घ) सेनापति के पद से।

2. **गवर्नर जनरल ने वज़ीर अली को कहाँ बुलाया–**
(क) दिल्ली (ख) मुंबई
(ग) कलकत्ता (घ) बनारस।

3. **निम्नलिखित कथन-कारण को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए–**
कथन (A)–अंग्रेज़ों ने वज़ीर अली को पद से हटा दिया।
कारण (R)–वज़ीर अली ने कंपनी के वकील की हत्या कर दी।
(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ख) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(ग) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

4. **वज़ीर अली के लिए कितना सालाना वज़ीफा तय किया गया–**
(क) चार लाख रुपया (ख) तीन लाख रुपया
(ग) पाँच लाख रुपया (घ) दो लाख रुपया।

5. **वज़ीर अली ने किसका कत्ल कर दिया–**
(क) कर्नल कालिंज का (ख) लेफ़्टीनेंट का
(ग) गवर्नर जनरल का (घ) कंपनी के वकील का।

उत्तर– **1.** (ख) **2.** (ग) **3.** (ग) **4.** (ख) **5.** (घ)।

पाठ पर आधारित प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए*–

1. **'कारतूस' पाठ के लेखक का नाम क्या है–**
(क) हबीब तनवीर (ख) प्रह्लाद अग्रवाल
(ग) रवींद्र केलेकर (घ) लीलाधर मंडलोई।

2. **हबीब तनवर का जन्म किस नगर में हुआ था–**
(क) राँची (ख) पटना
(ग) रायपुर (घ) लखनऊ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

3. **कंपनी से तात्पर्य है–**
(क) कारखाना (ख) ईस्ट इंडिया कंपनी
(ग) भारत सरकार (घ) अंग्रेज़ी सरकार।

4. **किसे रॉबिनहुड के कारनामे याद आ जाते हैं–**
(क) लेफ़्टीनेंट को (ख) कर्नल कालिंज को
(ग) वज़ीर अली को (घ) सआदत अली को।

5. **निम्नलिखित में से कौन-से वाक्य 'कारतूस' से मेल खाते हैं–**
(i) वज़ीर अली अंग्रेज़ों के लिए रॉबिनहुड के समान था।
(ii) आज़ादी के लिए संघर्ष करना पड़ता है।
(iii) साहसी के लिए कुछ भी असंभव नहीं है।
(iv) सआदत अली जाँबाज सिपाही था।
(क) (i) और (ii) (ख) (ii) और (iii)
(ग) (i), (ii) और (iii) (घ) (ii) और (iv).

6. **कर्नल कालिंज का खेमा कहाँ लगा था–**
(क) नदी के किनारे (ख) एक पहाड़ी पर
(ग) गोरखपुर के जंगल में (घ) रेगिस्तान में।

7. **सवार ने कारतूस किससे हासिल किए–**
(क) लेफ़्टीनेंट से (ख) कर्नल कालिंज से
(ग) सआदत अली से (घ) एक सिपाही से।

8. **वज़ीर अली कौन था–**
(क) आसिफ़उद्दौला का पुत्र (ख) हैदराबाद का नवाब
(ग) सआदत अली का पुत्र (घ) अंग्रेज़ों का सेनापति।

9. **सआदत अली कौन था–**
(क) वजीर अली का भाई (ख) वजीर अली का मित्र
(ग) वजीर अली का चाचा (घ) अंग्रेज़ों का दुश्मन।

10. **ब्रिटिश सरकार का मुकाबला थोड़े से सिपाहियों के साथ कौन करने को तैयार था–**
(क) वज़ीर अली (ख) सआदत अली
(ग) कालिंज (घ) इनमें से कोई नहीं।

11. **वज़ीर अली का एकमात्र उद्देश्य था–**
(क) लूटपाट
(ख) मारकाट
(ग) अंग्रेज़ों को भारत से बाहर निकालना
(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

12. **कर्नल कालिंज को खेमे की तरफ़ कौन आता दिखाई दिया–**
(क) वज़ीर अली (ख) एक सवार
(ग) सआदत अली (घ) इनमें से कोई नहीं।

13. **कर्नल कालिंज का खेमा जंगल में क्यों लगा हुआ था–**
(क) वज़ीर अली को पकड़ने के लिए
(ख) शेर को पकड़ने के लिए
(ग) आज़ादी की जंग के लिए
(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

14. **सआदत अली ने किसके साथ गद्दारी की–**
(क) अपने राजा के साथ (ख) अपने भाई के साथ
(ग) अंग्रेज़ों के साथ (घ) इनमें से कोई नहीं।

15. **वज़ीर अली ने कहाँ के बादशाह को हिंदुस्तान पर आक्रमण का आमंत्रण दिया–**
(क) ईरान के (ख) अफ़गानिस्तान के
(ग) इराक के (घ) दिल्ली के।

16. **कर्नल पूरी फ़ौज लिए किसका पीछा कर रहा था–**
(क) वज़ीर अली का (ख) शेर का
(ग) सआदत अली का (घ) टीपू सुल्तान का।

17. **वजीर अली भागकर कहाँ जाना चाहता था–**
(क) भूटान (ख) नेपाल
(ग) अफ़गानिस्तान (घ) चीन।

18. **सवार ने कर्नल से क्या हासिल कर लिया–**
(क) धन-दौलत (ख) बंदूक
(ग) कारतूस (घ) तलवार।

उत्तर– **1.** (क) **2.** (ग) **3.** (ख) **4.** (ख) **5.** (ग) **6.** (ग) **7.** (ख) **8.** (क) **9.** (ग) **10.** (क) **11.** (ग) **12.** (ख) **13.** (क) **14.** (ख) **15.** (ख) **16.** (क) **17.** (ख) **18.** (ग)।

भाग-2
(वर्णनात्मक प्रश्न)

निर्देश–*निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–*

प्रश्न 1 : वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था, कैसे? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : वज़ीर अली को अंग्रेज़ों ने अवध की गद्दी से उतारकर अपने विश्वस्त सआदत अली को गद्दी पर बैठा दिया था। इसलिए वज़ीर अली ने अंग्रेज़ों को भारत से खदेड़ने का प्रयास प्रारंभ कर दिया था। उसने कंपनी के वकील की हत्या करके अंग्रेज़ों के प्रति विद्रोह का डंका बजा दिया था। अंग्रेज़ों ने पूरा ज़ोर लगाया, लेकिन वे वज़ीर अली को पकड़ नहीं सके। उसकी बहादुरी को देखकर कर्नल कालिंज उसे रॉबिनहुड के समान बताता है। वज़ीर अली एक दिन निडरतापूर्वक कर्नल के खेमे में आता है, उसे मूर्ख बनाकर उससे कारतूस हासिल कर लेता है और अपना नाम बताकर उसी तरह निडरता से चला जाता है। कर्नल की हिम्मत उसे हाथ लगाने की नहीं होती। इससे हम कह सकते हैं कि वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था।

प्रश्न 2 : कर्नल सआदत अली को अवध के तख्त पर क्यों बिठाना चाहता था? ***(CBSE 2016)***

उत्तर : सआदत अली अंग्रेज़ों का पिट्ठू था। वह एक भोग-विलासी व्यक्ति था। उसे राज-काज से कोई मतलब नहीं था। कर्नल उसे अवध की गद्दी पर बैठाकर स्वयं शासन करना चाहता था। इसलिए उसने सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाया। इसके बदले में सआदत अली ने अपनी आधी दौलत और दस लाख रुपये अंग्रेज़ों को दिए।

प्रश्न 3 : कारतूस नाटिका में सवार कर्नल से एकांत में बात क्यों करना चाहता था?

उत्तर : सवार कोई और नहीं, बल्कि स्वयं वज़ीर अली था। वह अपने शत्रु कर्नल के साथ एक खतरनाक खेल खेलने आया था, जिसमें कर्नल को अपनी बातों में फँसाकर उससे कारतूस हथियाने थे। इसीलिए वह कर्नल से एकांत में मिलना चाहता था।

प्रश्न 4 : कर्नल कालिंज का खेमा जंगल में क्यों लगा हुआ था?

उत्तर : कर्नल कालिंज वज़ीर अली को पकड़ना चाहता था। उसे पता चला था कि वह जंगलों में छिपा है। इसीलिए कर्नल का खेमा जंगल में लगा हुआ था।

प्रश्न 5 : सवार ने क्यों कहा कि वज़ीर अली की गिरफ़्तारी मुश्किल है?

उत्तर : सवार ने ऐसा इसलिए कहा; क्योंकि वह स्वयं वज़ीर अली था, जिसे अंग्रेज़ नहीं पहचानते थे। वह अंग्रेज़ों को बता देना चाहता था कि वज़ीर अली एक जाँबाज़ है, जो तुम्हारे जैसे कायरों की पकड़ में नहीं आ सकता।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 6 : वज़ीर अली ने कंपनी के वकील का कत्ल क्यों किया?

उत्तर : कंपनी ने वज़ीर अली को अवध के नवाब के पद से हटाकर बनारस भेज दिया था और उसके लिए तीन लाख रुपये सालाना का वजीफ़ा तय कर दिया था। कुछ महीने बाद गवर्नर ने उसे कलकत्ता बुलाया। इस पर वह कंपनी के वकील के पास गया, जो बनारस में ही रहता था और उससे शिकायत की कि गवर्नर उसे बार-बार क्यों तंग करता है। वकील ने उसकी शिकायत सुनने के बजाय उसे बुरा-भला कहना शुरू कर दिया। इससे वज़ीर अली को क्रोध आ गया और उसने अपने खंज़र से वकील का कत्ल कर दिया।

प्रश्न 7 : लेफ़्टीनेंट को ऐसा क्यों लगा कि कंपनी के खिलाफ़ सारे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ गई है?

उत्तर : पूरे देश में राजा और नवाब कंपनी के विरोध में एकजुट हो रहे थे। टीपू सुल्तान, वज़ीर अली तथा बंगाल के नवाब शमसुद्दौला ने अफ़गानिस्तान के बादशाह शाहे-ज़मा को हिंदुस्तान पर हमला करने के लिए आमंत्रित किया था। यह सब जानकर लेफ़्टीनेंट को लगा कि पूरे हिंदुस्तान में कंपनी के खिलाफ़ एक लहर दौड़ गई है।

प्रश्न 8 : सआदत अली कौन था? उसने वज़ीर अली की पैदाइश को अपनी मौत क्यों समझा? *(CBSE 2015)*

उत्तर : सआदत अली अवध के नवाब आसिफ़उद्दौला का छोटा भाई था। आसिफ़उद्दौला की पहले कोई संतान नहीं थी। इसलिए सआदत अली स्वयं को अवध की गद्दी का वारिस समझता था। जब आसिफ़उद्दौला का पुत्र वज़ीर अली पैदा हुआ तो उसकी आशाओं पर पानी फिर गया और उसे वह अपनी मौत समझने लगा।

प्रश्न 9 : सवार ने कर्नल से कारतूस कैसे हासिल किए? वह सवार कौन था?

उत्तर : सवार स्वयं वज़ीर अली था। वह निडर होकर कर्नल के खेमे में आया और उससे अकेले में बात की। कर्नल को लगा कि यह वज़ीर अली को पकड़वाने में हमारी मदद करेगा। सवार ने कर्नल से वज़ीर अली को गिरफ़्तार करने के लिए कारतूस माँगे। कर्नल को उस पर विश्वास हो गया था, इसलिए उसने माँगने पर सवार को कारतूस दे दिए।

प्रश्न 10 : सवार के जाने के बाद कर्नल क्यों हक्का-बक्का रह गया?

उत्तर : सवार के जाने के बाद कर्नल हक्का-बक्का इसलिए रह गया; क्योंकि उससे दस कारतूस माँगकर ले जाने वाला सवार कोई और नहीं, बल्कि खुद वज़ीर अली था, जिसे पकड़ने के लिए वे सालों से जंगल में डेरा डाले हुए थे। वह जिस निडरता से खेमे में आया, चालाकी से कर्नल से कारतूस हासिल किए और फिर अपना नाम बताकर उसी प्रकार चला भी गया। कर्नल उसका कुछ भी न बिगाड़ सका। वज़ीर अली के इस साहस को देखकर कर्नल हक्का-बक्का रह गया।

प्रश्न 11 : वज़ीर अली के अफ़साने सुनकर कर्नल को रॉबिनहुड की याद क्यों आ जाती थी? *(CBSE 2020)*

उत्तर : रॉबिनहुड इंग्लैंड का एक बहादुर योद्धा था। वह बहुत साहसपूर्ण कारनामे करता रहता था। वज़ीर अली भी एक जाँबाज़ सिपाही था। अंग्रेज़ी सेना उसे पकड़ने का पूरा प्रयास कर चुकी थी, लेकिन वह उनके हाथ नहीं आ रहा था। उसने अंग्रेज़ों को नाकों चने चबवा दिए थे। इसीलिए कर्नल को उसके अफ़साने सुनकर रॉबिनहुड की याद आ जाती थी।

प्रश्न 12 : कंपनी के वकील का कत्ल करने के बाद वज़ीर अली ने अपनी हिफ़ाज़त कैसे की?

उत्तर : कंपनी के वकील का कत्ल करने के बाद वज़ीर अली आज़मगढ़ की तरफ़ भाग गया। वहाँ से आज़मगढ़ के शासक ने अपनी हिफ़ाजत में उसे घागरा तक पहुँचा दिया। वहाँ जंगलों में छिपकर कई सालों तक वज़ीर अली ने अपनी हिफ़ाज़त की।

प्रश्न 13 : सआदत अली अंग्रेज़ों का हिमायती क्यों था? 'कारतूस' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : सआदत अली एक विलासी व्यक्ति था। उसका यह शौक अवध का नवाब बनकर ही पूरा हो सकता था। उसे लगता था कि अंग्रेज़ उसे अवध का नवाब बना देंगे; इसलिए वह उनका हिमायती था। अंग्रेज़ों ने उसकी यह इच्छा पूरी भी की। इसके बदले में सआदत अली ने अपनी आधी जायदाद और दस लाख रुपये अंग्रेज़ों को दिए।

प्रश्न 14 : 'मुट्ठीभर आदमी और ये दमखम'। आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : **आशय**–इस पंक्ति से वज़ीर अली की जाँबाज़ी और कर्नल की विवशता का पता चलता है। यह वाक्य कर्नल ने कहा है। इसका आशय यह है कि वज़ीर अली ने कंपनी के वकील की हत्या की और अब हिंदुस्तान के राजाओं और नवाबों को अंग्रेज़ों के खिलाफ़ एकजुट कर रहा है। वह बरसों से अंग्रेज़ों की आँखों में धूल झोंककर इन्हीं जंगलों में रह रहा है। उसके पास मुट्ठीभर आदमी हैं और अंग्रेज़ों के पास बड़ी सेना है। लेकिन अंग्रेज़ उसका कुछ नहीं बिगाड़ सके। इससे उसके दमखम का पता चलता है।

प्रश्न 15 : लेफ़्टिनेंट व्यक्तिगत स्तर पर वज़ीर अली को बहादुर क्यों मानता था? 'कारतूस' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : लेफ़्टिनेंट व्यक्तिगत रूप से वज़ीर अली को बहादुर इसलिए मानता था; क्योंकि वह बहुत कोशिश करने पर भी अंग्रेज़ों के हाथ नहीं आ रहा था। उस अकेले जाँबाज़ ने अंग्रेज़ी सेना की नाक में दम कर रखा था।

प्रश्न 16 : पाठ्यक्रम में पढ़ी एकांकी द्वारा सिद्ध कीजिए कि मुट्ठी भर आदमी भी बड़ी फ़ौज पर काबू पा सकते हैं। *(CBSE SQP 2023-24)*

उत्तर : पाठ्यक्रम में पढ़े 'कारतूस' एकांकी द्वारा सिद्ध होता है कि मुट्ठीभर आदमी भी बड़ी फ़ौज पर काबू पा सकते हैं। एकांकी में वज़ीर अली के साथ मुट्ठीभर आदमी हैं। उसने अंग्रेज़ों की बड़ी फ़ौज को नाकों चने चबवा दिए हैं। बरसों से अंग्रेज़ी फ़ौज उसके पीछे पड़ी है, लेकिन वह उसका बाल भी बाँका नहीं कर पाई है। जाँबाज़ वज़ीर अली अकेला अंग्रेज़ों के खेमे में चला जाता है और अपने बुद्धि चातुर्य से अंग्रेज़ी कर्नल कालिंज से कारतूस ले आता है। यह अंग्रेज़ी फ़ौज के लिए खुली चुनौती है। कर्नल कालिंज वज़ीर अली की बहादुरी से प्रभावित होकर स्वयं कहता है– "मुट्ठीभर आदमी मगर ये दम खम है।"

प्रश्न 17 : 'कारतूस' एकांकी के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि सआदत अली जैसे लोगों ने सदैव देश का अहित ही किया है। *(CBSE 2015)*

उत्तर : सआदत अली एक भोग-विलासी व्यक्ति था। उसने अपने ऐश-ओ-आराम के लिए अपने भाई आसिफ़उद्दौला और भतीजे वज़ीर अली के साथ विश्वासघात किया और विदेशी अंग्रेज़ों का साथ दिया। अपने स्वार्थ के लिए उसने अंग्रेज़ों को आधी जायदाद और दस लाख रुपये भी दिए। ऐसे स्वार्थी लोग देश को बेच खाते हैं। वे न अपनी कौम के होते हैं और न अपने देश के। इसलिए हम कह सकते हैं कि सआदत अली जैसे लोगों ने सदैव देश का अहित ही किया है।

प्रश्न 18 : कर्नल ने सवार को इतनी आसानी से अंदर क्यों आने दिया?

उत्तर : वैसे तो कर्नल वज़ीर अली के बारे में बहुत सावधान था, लेकिन उसने सवार को आसानी से अंदर इसलिए आने दिया; क्योंकि वह

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अकेला था। वह बिना किसी डर के अंग्रेज़ों के खेमे की तरफ़ ऐसे चला आ रहा था, जैसे वह उन्हीं का आदमी हो। कर्नल को यह भी विश्वास था कि वज़ीर अली अपनी जान को जोखिम में डालकर स्वयं नहीं आ सकता। इन सब बातों से भ्रमित होकर कर्नल ने सवार को आसानी से अंदर आने दिया। उसे यह भी विश्वास हो गया था कि वह हमें वज़ीर अली के बारे में कोई महत्त्वपूर्ण सूचना देने आया है।

प्रश्न 19 : कर्नल कालिंज ने सआदत अली का परिचय किस प्रकार दिया? उसे गद्दी पर बिठाने से ईस्ट इंडिया कंपनी को क्या लाभ हुआ? *(CBSE 2017)*

उत्तर : कर्नल कालिंज ने लेफ़्टीनेंट को सआदत अली का परिचय इस प्रकार दिया– "सआदत अली हमारा दोस्त है और बहुत ऐशपसंद आदमी है।" उसे गद्दी पर बिठाने से ईस्ट इंडिया कंपनी को सबसे बड़ा लाभ तो यह हुआ कि उसने अपनी आधी जायदाद, दौलत उसे देने के साथ-साथ दस लाख रुपये नगद भी दिए। इसके अलावा अवध का शासन भी परोक्ष-रूप से कंपनी के हाथ में आ गया।

प्रश्न 20 : 'कारतूस' पाठ में सआदत अली को किस प्रकार का व्यक्ति बताया गया है? *(CBSE 2017)*

उत्तर : सआदत अली अवध के नवाब आसिफ़उद्दौला का भाई था। वह बहुत महत्त्वाकांक्षी और ऐशपसंद आदमी था। अंग्रेज़ों ने आसिफ़उद्दौला के पुत्र वज़ीर अली को नवाब के पद से हटाकर सआदत अली को नवाब बनाया।

प्रश्न 21 : वज़ीर अली सआदत अली को अपना दुश्मन क्यों मानता था?

उत्तर : सआदत अली अंग्रेज़ों का मित्र था। उसने अंग्रेज़ों के साथ मिलकर अवध के असली उत्तराधिकारी वज़ीर अली को गद्दी से उतरवा दिया था और स्वयं नवाब बन गया था। इसीलिए वज़ीर अली उसे अपना दुश्मन मानता था।

प्रश्न 22 : शाहे-ज़मा कौन था? उसे किस-किसने हिंदुस्तान पर हमला करने की दावत दी थी?

उत्तर : शाहे-ज़मा अफ़गानिस्तान का बादशाह था। उसकी ताक़त बहुत अधिक थी। उसे टीपू सुल्तान, बंगाल के नवाब शमसुद्दौला और वज़ीर अली ने हिंदुस्तान पर हमला करने की दावत दी थी। वे उसकी सहायता से अंग्रेज़ों को हिंदुस्तान से भगाना चाहते थे।

प्रश्न 23 : आशय स्पष्ट कीजिए–'गर्द तो ऐसे उड़ रही है जैसे कि पूरा एक काफ़िला चला आ रहा हो, मगर मुझे तो एक ही सवार नज़र आता है।'

उत्तर : **आशय**– इस पंक्ति में वज़ीर अली की नीति के विषय में बताया गया है। उसकी प्रत्येक नीति ऐसी होती थी कि उसके शत्रु अंग्रेज़ चक्कर खा जाते थे। इस पंक्ति का आशय यह है कि जब वज़ीर अली कर्नल कालिंज के खेमे में आया तो एक सवार के वेश में आया और उसके आने का ढंग ऐसा था कि कर्नल भ्रमित हो गया। उसे लगा कि कोई एक सवार नहीं, बल्कि पूरी फ़ौज आ रही है। इसी प्रकार वह अंग्रेज़ों को भ्रमित करता रहता था।

प्रश्न 24 : वज़ीर अली ने अंग्रेज़ों की गुलामी क्यों नहीं स्वीकार की? उसकी किन्हीं तीन चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा **वज़ीर अली की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।** *(CBSE 2019)*

उत्तर : वज़ीर अली एक पक्का देशभक्त था। वह अंग्रेज़ी शासन को पसंद नहीं करता था। वह मात्र पाँच महीने तक अवध के तख्त पर बैठा था और इस थोड़ी-सी अवधि में ही उसने दरबारियों तथा जनता के मन-मस्तिष्क से अंग्रेज़ी प्रभाव को लगभग निष्कासित कर दिया था। वह अंग्रेज़ों की गुलामी कभी स्वीकार कर ही नहीं सकता था; क्योंकि देशभक्ति के साथ-साथ उसमें साहस, बल, पराक्रम, निष्ठा आदि कूट-कूटकर भरे थे। स्वदेश से अंग्रेज़ों को खदेड़ने के लिए उसने कई योजनाएँ बनाई थीं; जैसे–अफ़गानिस्तान के बादशाह को हिंदुस्तान पर आक्रमण करने के लिए आमंत्रित करना, ताकि अंग्रेज़ी सेना की शक्ति कम हो सके। नेपाल भागने का प्रयास करना भी उसकी योजना का एक हिस्सा था, ताकि वहाँ रहकर वह अपना सैन्य-बल बढ़ा सके आदि। उसका एक ही लक्ष्य था, अंग्रेज़ों को अपने देश से बाहर निकालना। इन सब घटनाओं के प्रकाश में उसके चरित्र की ये मुख्य विशेषताएँ उभरकर आती हैं कि वह एक सच्चा देशभक्त था। वह साहसी, पराक्रमी तथा बुद्धिमान् व्यक्तित्व का स्वामी था। एक कुशल शासक की नीतियों अर्थात् साम, दाम, दंड, भेद इत्यादि से भी वह भली-भाँति परिचित था।

प्रश्न 25 : 'कारतूस' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि जाँबाज़ वज़ीर अली के जीवन का लक्ष्य अंग्रेज़ों को इस देश से बाहर करना था? *(CBSE 2013)*

उत्तर : वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था। वह शुरू से ही अंग्रेज़ों के विरुद्ध था और उन्हें हिंदुस्तान से निकालना चाहता था। अपने पाँच महीने के शासनकाल में उसने अवध के दरबार को अंग्रेज़ों के प्रभाव से लगभग मुक्त कर दिया था। इसीलिए अंग्रेज़ों ने उसे हटाकर अपने हाथ की कठपुतली सआदत अली को अवध का नवाब बना दिया। उन्होंने वज़ीर अली को तीन लाख रुपये सालाना का वजीफ़ा देकर बनारस भेज दिया। वज़ीर अली ने वहाँ भी कंपनी के वकील को मारकर अंग्रेज़ों के विरुद्ध जंग का ऐलान कर दिया। उसने अंग्रेज़ों की शक्ति को क्षीण करने के लिए अफ़गानिस्तान के बादशाह शाहे-ज़मा को हिंदुस्तान पर आक्रमण करने के लिए आमंत्रित किया। वह अकेला ही अंग्रेज़ों के खेमे में पहुँच गया और उन्हें दो-दो हाथ करने की चुनौती दे दी। इस प्रकार उसका प्रत्येक कार्य अंग्रेज़ों को भारत से बाहर करने के लिए ही था। अंग्रेज़ भी उसकी बहादुरी का लोहा मानते थे।

प्रश्न 26 : 'कारतूस' शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट करते हुए कोई नया शीर्षक सुझाइए तथा उस शीर्षक का आधार स्पष्ट कीजिए। *(CBSE 2013)*

उत्तर : शीर्षक किसी भी घटना या कहानी का केंद्रबिंदु होता है। उसके द्वारा लेखक अपना उद्देश्य पूर्ण करता है। इस एकांकी का उद्देश्य वज़ीर अली के साहस, वीरता और निडरता को प्रकट करना है। कारतूस प्राप्त करना इस एकांकी की मुख्य घटना है। वज़ीर अली अपने शत्रुओं के खेमे में पहुँच जाता है। अपनी बुद्धिमानी और वाक्पटुता से कर्नल कालिंज को मूर्ख बनाकर 10 कारतूस हासिल करता है और चला जाता है। इस घटना से उसकी निडरता, साहस और जाँबाज़ी प्रदर्शित होती है; अतः इस एकांकी का शीर्षक 'कारतूस' बिलकुल सही है। इसका शीर्षक 'जाँबाज़ सिपाही' या 'वज़ीर अली' भी हो सकता है; क्योंकि सारा नाटक वज़ीर अली के इर्द-गिर्द ही घूमता है। प्रारंभ से अंत तक इसमें उसकी जाँबाज़ी ही दिखाई गई है।

प्रश्न 27 : 'कारतूस' एकांकी के आधार पर बताइए कि सवार कौन था? वह किससे मिलना चाहता था और क्यों? इस सारे प्रसंग में सवार की कौन-सी विशेषताएँ उभरकर आती हैं? *(CBSE 2022 Term-2)*

उत्तर : 'कारतूस' पाठ में सवार और कोई नहीं, स्वयं वज़ीर अली था। वह कर्नल कालिंज से मिलना चाहता था और अपनी बहादुरी और चतुराई द्वारा कर्नल से कुछ कारतूस हथियाना चाहता था। उसमें इतना आत्मविश्वास था कि वह अकेला ही अपने शत्रुओं के खेमे में आ गया था। इस प्रसंग से सवार अर्थात् वज़ीरअली की इन विशेषताओं का पता चलता है कि वह निडर, बहादुर, बुद्धिमान और एक जाँबाज सिपाही था।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 28 : वज़ीर अली के जीवन का लक्ष्य अंग्रेज़ों को इस देश से बाहर करना था। 'कारतूस' पाठ के आधार पर कथन की सत्यता सिद्ध कीजिए। *(CBSE SQP 2022 Term-2)*

उत्तर : 'वज़ीर अली के जीवन का लक्ष्य अंग्रेज़ों को इस देश से बाहर करना था।' यह कथन सत्य है, क्योंकि वह अंग्रेज़ों से घृणा करता था। उसने अपने पाँच महीने के शासन-काल में अवध के दरबार को अंग्रेज़ों के प्रभाव से मुक्त कर दिया था। कंपनी के वकील का कत्ल करके जब वह भाग गया तो भी चुप नहीं बैठा। उसने अफ़गानिस्तान के बादशाह को हिंदुस्तान पर हमला करने की दावत दी, ताकि उसकी सहायता से अंग्रेज़ों को हराकर देश से भगाया जाए। इस प्रकार वह जीवनभर अंग्रेज़ों को इस देश से बाहर करने का प्रयत्न करता रहा। ●

अभ्यास प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए–*

मगर टाइम-टेबिल बना लेना एक बात है, उस पर अमल करना दूसरी बात। पहले ही दिन उसकी अवहेलना शुरू हो जाती। मैदान की वह सुखद हरियाली, हवा के हलके-हलके झोंके, फुटबाल की वह उछल-कूद, कबड्डी के वह दाँव-घात, वॉलीबाल की वह तेज़ी और फुरती, मुझे अज्ञात और अनिवार्य रूप से खींच ले जाती और वहाँ जाते ही मैं सब कुछ भूल जाता। वह जानलेवा टाइम-टेबिल, वह आँखफोड़ पुस्तकें, किसी की याद न रहती और भाई साहब को नसीहत और फ़जीहत का अवसर मिल जाता। मैं उनके साये से भागता, उनकी आँखों से दूर रहने की चेष्टा करता, कमरे में इस तरह दबे पाँव आता कि उन्हें खबर न हो। उनकी नज़र मेरी ओर उठी और मेरे प्राण निकले। हमेशा सिर पर एक नंगी तलवार-सी लटकती मालूम होती। फिर भी जैसे मौत और विपत्ति के बीच भी आदमी मोह और माया के बंधन में जकड़ा रहता है, मैं फटकार और घुड़कियाँ खाकर भी खेल-कूद का तिरस्कार न कर सकता था।

1. टाइम-टेबिल बनाने के पहले ही दिन से क्या शुरू हो जाता था–

(क) टाइम-टेबिल पर अमल का काम

(ख) टाइम-टेबिल की अवहेलना का काम

(ग) मौज-मस्ती करने का काम

(घ) मित्रों के साथ खेलने-कूदने का काम।

2. लेखक द्वारा टाइम-टेबिल पर अमल न करने के कारणों पर विचार कीजिए और उचित विकल्प का चयन कीजिए–

(i) खेल में अत्यधिक रुचि होना

(ii) टाइम-टेबिल का जटिल होना

(iii) पढ़ाई में मन न लगना

(iv) उद्दंड स्वभाव

(क) केवल (i) (ख) (i) और (ii)

(ग) (ii) और (iii) (घ) (ii) और (iv).

3. निम्नलिखित कथन-कारण को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए–

कथन (A)–उनकी नज़र मेरी ओर उठी और मेरे प्राण निकले।

कारण (R)–हमेशा सिर पर एक नंगी तलवार-सी लटकती मालूम होती।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

4. लेखक बड़े भाई के डर से क्या कार्य करता था–

(क) उनके साये से दूर भागता था

(ख) उनकी आँखों से दूर रहने की चेष्टा करता था

(ग) कमरे में दबे पाँव आता था

(घ) उपर्युक्त सभी।

5. 'सिर पर नंगी तलवार लटकना' मुहावरे का अर्थ है–

(क) मृत्यु होना

(ख) युद्ध होना

(ग) खतरे का अत्यधिक समीप होना

(घ) तलवार से प्रहार करना।

निर्देश–*निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए–*

वामीरो के रुदन स्वरों को सुनकर उसकी माँ वहाँ पहुँची और दोनों को देखकर आग बबूला हो उठी। सारे गाँववालों की उपस्थिति में यह दृश्य उसे अपमानजनक लगा। इस बीच गाँव के कुछ लोग भी वहाँ पहुँच गए। वामीरो की माँ क्रोध में उफन उठी। उसने तताँरा को तरह-तरह से अपमानित किया। गाँव के लोग भी ततांरा के विरोध में आवाज़ें उठाने लगे। यह ततांरा के लिए असहनीय था। वामीरो भी रोए जा रही थी। ततांरा भी गुस्से से भर उठा। उसे जहाँ विवाह की निषेध परंपरा पर क्षोभ था, वहीं अपनी असहायता पर खीझ। वामीरो का दुख उसे और गहरा कर रहा था। उसे मालूम न था कि क्या कदम उठाना चाहिए। अनायास उसका हाथ तलवार की मूठ पर जा टिका। क्रोध में तलवार निकाली और कुछ विचार करता रहा। क्रोध लगातार अग्नि की तरह बढ़ रहा था। लोग सहम उठे, एक सन्नाटा-सा खिंच गया। जब कोई राह न सूझी तो क्रोध का शमन करने के लिए उसने शक्ति भर उसे धरती में घोंप दिया और ताकत से उसे खींचने लगा। वह पसीने से नहा उठा। सब घबराए हुए थे। वह तलवार को अपनी तरफ़ खींचते-खींचते दूर तक पहुँच गया। वह हाँफ रहा था। अचानक जहाँ तक लकीर खिंच गई थी, वहाँ एक दरार होने लगी। मानो धरती दो टुकड़ों में बँटने लगी हो।

6. गाँव के लोग ततांरा के विरोध में आवाज़ें क्यों उठा रहे थे–

(क) वे ततांरा को अपमानित करना चाहते थे

(ख) वे गाँव की निषेध परंपरा के पक्ष में थे

(ग) गाँव की रीति के विरोध में थे

(घ) ततांरा को पशु-पर्व में शामिल नहीं करना चाहते थे।

7. ततांरा के क्षोभ के कारणों पर विचार कीजिए और उचित विकल्प का चयन कीजिए–

(i) विवाह की निषेध परंपरा (ii) अपनी असहायता

(iii) वामीरो का रुदन (iv) लोगों का विरोध

(क) (i), (ii) और (iii) (ख) (i) और (ii)

(ग) (ii) और (iii) (घ) (iii) और (i).

8. निम्नलिखित कथन-कारण को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए–

कथन (A)–दोनों को साथ देखकर वामीरो की माँ आग बबूला हो गई।

कारण (R)–उसने अपनी तलवार खींच ली।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

9. 'लोग सहम उठे, एक सन्नाटा-सा खिंच गया।' लोगों का सहम जाना दर्शाता है कि वे–
(क) विलक्षण दैवीय तलवार को देखने लग गए थे
(ख) किसी भावी दुष्परिणाम की आशंका से ग्रसित थे
(ग) जानते थे कि द्वीप दो भागों में बँट जाएगा
(घ) तताँरा-वामीरो के विवाह के लिए सहमत हो गए थे।

10. प्रस्तुत गद्यांश में किस घटना का वर्णन है–
(क) वामीरो की त्यागमयी मृत्यु का
(ख) निकोबार द्वीप के दो भागों में बँटने का
(ग) तताँरा-वामीरो की प्रथम मुलाकात का
(घ) ततॉरा के आत्मीय स्वभाव का।

निर्देश–*निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए–*

ग्वालियर में हमारा एक मकान था, उस मकान के दालान में दो रोशनदान थे। उसमें कबूतर के एक जोड़े ने घोंसला बना लिया था। एक बार बिल्ली ने उचककर दो में से एक अंडा तोड़ दिया। मेरी माँ ने देखा तो उसे दुःख हुआ। उसने स्टूल पर चढ़कर दूसरे अंडे को बचाने की कोशिश की। लेकिन इस कोशिश में दूसरा अंडा उसी के हाथ से गिरकर टूट गया। कबूतर परेशानी में इधर-उधर फड़फड़ा रहे थे। उनकी आँखों में दुःख देखकर मेरी माँ की आँखों में आँसू आ गए। इस गुनाह को खुदा से मुआफ़ कराने के लिए उसने पूरा दिन रोज़ा रखा। दिन-भर कुछ खाया-पिया नहीं। सिर्फ़ रोती रही और बार-बार नमाज़ पढ़-पढ़कर खुदा से इस गलती को मुआफ़ करने की दुआ माँगती रही।

11. लेखक की माँ किस बात से दुःखी थीं–
(क) घर में कबूतरों ने घोंसला बना लिया था
(ख) कबूतर के दोनों अंडे टूट गए थे
(ग) कबूतर अंडों को छोड़कर चले गए थे
(घ) बिल्ली अंडों को खा गई थी।

12. लेखक की माँ खुदा से किस गुनाह को माफ़ कराना चाहती थीं–
(क) पहला अंडा तोड़ने का गुनाह
(ख) बिल्ली को मारने का गुनाह
(ग) दूसरा अंडा टूट जाने का गुनाह
(घ) कबूतर का घोंसला तोड़ने का गुनाह।

13. लेखक की माँ की आँखों में आँसू आने के कारणों पर विचार कीजिए और उचित विकल्प का चयन कीजिए–
(i) कबूतरों के अंडे टूट जाना
(ii) कबूतरों की आँखों में दुःख देखना
(iii) कबूतरों का उड़ जाना
(iv) बिल्ली का भाग जाना
(क) (i) और (ii) (ख) (ii) और (iii)
(ग) (iii) और (iv) (घ) केवल (iv).

14. निम्नलिखित कथन-कारण को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए–
कथन (A)–दालान के रोशनदान में कबूतरों ने घोंसला बना लिया था।
कारण (R)–माँ ने देखा तो उसे दुःख हुआ।
(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ख) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(ग) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

15. माँ की आँखों में आँसू आ गए थे, क्योंकि–
(क) कबूतर का अंडा बिल्ली ने तोड़ दिया था
(ख) कबूतर का अंडा लेखक की माँ से टूट गया था
(ग) लेखक की पत्नी ने कबूतर का अंडा तोड़ दिया था
(घ) कबूतर की आँखों में दुःख देखकर व्यथित हो गई थीं।

निर्देश–*निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए–*

16. निम्नलिखित में कौन-से वाक्य 'बड़े भाई साहब' से मेल खाते हैं–
(i) बड़े होने का दायित्व निभाना चाहिए।
(ii) अनुभव ही सबसे बड़ा ज्ञान है।
(iii) छोटों को सीख देने के लिए बड़ों को आदर्शवादी बनना पड़ता है।
(iv) बड़ों के नियंत्रण में नहीं रहना चाहिए।
(क) (i) और (ii) (ख) (i) और (iv)
(ग) (ii) और (iii) (घ) (i), (ii) और (iii).

17. बड़े भाई साहब को किस कारण लगता है कि छोटा भाई दादा की गाढ़ी कमाई बरबाद कर रहा है–
(क) बड़े भाई को सम्मान न देने के कारण
(ख) खाने-पीने में अधिक खर्च करने के कारण
(ग) खेल-कूद में समय बरबाद करने के कारण
(घ) अध्यापकों का आदर न करने के कारण।

18. डायरी का पन्ना कहानी कब लिखी गई–
(क) 26 जनवरी, 1931 को (ख) 26 जनवरी, 1932 को
(ग) 26 जनवरी, 1933 को (घ) इनमें से कोई नहीं।

19. प्रहलाद अग्रवाल का जन्म किस प्रदेश में हुआ–
(क) उत्तर प्रदेश में (ख) बिहार में
(ग) मध्य प्रदेश में (घ) राजस्थान में।

20. 'प्रैक्टिकल आइडियालिस्टों' के जीवन से आदर्श कब पीछे हटने लगते हैं–
(क) जब धन का बखान होने लगता है
(ख) जब बल का बखान होने लगता है
(ग) जब ज्ञान का बखान होने लगता है
(घ) जब व्यावहारिकता का बखान होने लगता है।

21. वज़ीर अली ने कहाँ के बादशाह को हिंदुस्तान पर आक्रमण का आमंत्रण दिया–
(क) ईरान के (ख) अफगानिस्तान के
(ग) इराक के (घ) दिल्ली के।

निर्देश–*निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–*

22. कहानी 'बड़े भाई साहब' के अनुसार जीवन की समझ कैसे आती है?

23. व्यथा आदमी को पराजित नहीं करती, उसे आगे बढ़ने का संदेश देती है।–आशय स्पष्ट कीजिए।

24. प्रकृति में आए असंतुलन से क्या-क्या बदलाव आए हैं? इससे मानव-जाति के लिए क्या-क्या खतरे पैदा हो गए हैं? 'अब कहाँ दूसरे के दुःख में दुःखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए।

25. 'गिन्नी का सोना' पाठ के आधार पर बताइए कि कौन-से मूल्य शाश्वत हैं? इन मूल्यों की जीवन में उपयोगिता बताइए। ●

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in